EDUGROSS
WISDOMISING KNOWLEDGE

Class : 9th

Subject : हिंदी

Chapter : 14

Chapter Name : चंद्र गहना से लौटती बेर

Q1' इस विजन में ..... अधिक है ' - पंक्तियों में नगरीय संस्कृति के प्रति कवि का क्या आक्रोश है और क्यों ?

Answer. प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने शहरी वातावरण का वर्णन किया है कवि के अनुसार शहरी लोग मतलबी तथा असामाजिक होते हैं। उनमें आपसी प्रेमभाव नहीं होता है। शहरी लोग प्रेम से दूर होते हैं। वे बनावटी होते हैं। अतः उनके इस आक्रोश का मुख्य कारण यह है कि कवि प्रकृति से बहुत अधिक लगाव रखते हैं।

Page : 122 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q2 सरसों को ' सयानी ' कहकर कवि क्या कहना चाहता होगा ?

Answer. कवि ने सरसो को सयानी इसलिए कहा है क्योंकि अब सरसों की फसल पूर्णतः पक चुकी है। उसका रूप सौंदर्य निखर रहा है और उसका पूरी तरीके से विकास हो चुका है और अब वह परिपक्व होकर कटने के लिए तैयार हो चुकी है।

Page : 122 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q3 अलसी के मनोभावों का वर्णन कीजिए।

Answer. प्रस्तुत काव्य रचना में कवि ने अलसी को एक सुंदर नायिका के रूप में चित्रित किया है। उसकी कमर लचीली है देह पतला है और वह बहुत ही हठीली है। उसके सर पर नीले फूल लगे हुए हैं और जो उस फूल को सबसे पहले छूएगा वह उसको अपना हृदय दान कर देगी।

Page : 122 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q4 अलसी के लिए 'हठीली' विशेषण का प्रयोग क्यों किया गया है ?

Answer.'हठीली' शब्द का अर्थ होता है जिद्दी। कवि ने अलसी के लिए हठीली विशेषण का प्रयोग इसलिए किया है क्योंकि उसने निश्चय कर रखा है कि वह अपना दिल उसे ही देगी जो उसके सिर पर रखे नीले फूल का स्पर्श करेगा। वह चने के पास हठपूर्वक अपने आप उग आई हैं और सब को अपने अस्तित्व

edugross.com

का परिचय देना चाहती हैं। हवा के बहाव के कारण वह बार-बार नीचे झुक जाती है परंतु फिर वापस खड़ी हो जाती हैं।

Page : 122 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q5 'चाँदी का बड़ा-सा गोल खंभा' में कवि की किस सूक्ष्म कल्पना का आभास मिलता है?

Answer.पोखर के पानी में सूर्य की किरणें एकदम सीधी पड़ती है और ऐसा लगता है जैसे पानी के नीचे चांदी का कोई बहुत बड़ा गोल और लंबा खंभा पड़ा हुआ है। रंग रूप चमक और आकार में समानता के कारण किरणों में खंबे की कल्पना करना कवि की सूक्ष्म कल्पना का आभास कराता है।

Page : 122 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q6 कविता के आधार पर 'हरे चने' का सौंदर्य अपने शब्दों में चित्रित कीजिए।

Answer.प्रस्तुत काव्यांश में कवि ने हरे चने का बहुत ही सुंदर रूप से चित्रण किया है। हरा चना एक बीते के बराबर है उसके सिर पर गुलाबी फूलों की पगड़ी है और बहुत सुशोभित हो रहा है और ऐसा लगता है जैसे वह किसी मांगलिक कार्यक्रम में जाने के लिए तैयार हो।

Page : 122 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q7 कवि ने प्रकृति का मानवीकरण कहाँ-कहाँ किया है?

Answer. कवि ने कविता में निम्नलिखित स्थानों पर प्रकृति का मानवीकरण किया है

यह हरा ठिगना चना, बांधे मुरैठा शीश पर।

बीच में असली हठीली देह की पतली, कमर की है लचीली।

सरसों के लिए हाथ पीले कर लिए हैं बिहा मंडप में पधारी।

फाग गाता मास फागुन आ गया है आज जैसे।

हैं कई पत्थर के नारे पी रहे चुपचाप पानी।

बगुले के लिए देखने ही मीन चंचल ध्यान निद्रा त्याग ता है।

Page : 123 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q8 कविता में से उन पंक्तियों को ढूँढ़िए जिनमें निम्नलिखित भाव व्यंजित हो रहा है -और चारों तरफ़ सुखी और उजाड़ ज़मीन है लेकिन वहाँ भी तोते का मधुर स्वर मन को स्पंदित कर रहा है।

Answer.चित्रकूट की अनगढ़ चौड़ी

edugross.com

www.edugross.com
EDUGROSS
WISDOMISING KNOWLEDGE

कम ऊँची-ऊँची पहाड़ियाँ

दूर दिशाओं तक फैली हैं।

बाँझ भूमि पर

इधर-उधर रींवा के पेड़

काँटेदार कुरूप खड़े हैं।

सुन पड़ता है

मीठा-मीठा रस टपकाता

सुग्गे का स्वर

टें टें टें टें ;

Page : 123 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q9 'और सरसों की न पूछो' - इस उक्ति में बात को कहने का खास अंदाज़ है। हम इस प्रकार की शैली का प्रयोग कब और क्यों करते हैं ?

Answer.इस प्रकार की शैली का प्रयोग प्रशंसा करते समय किया जाता है और जब हम एक बात को कहने के लिए दूसरी बात का सहारा लेते हैं तब भी। इसके प्रयोग से वस्तु की विशेषता पर ध्यान केंद्रित हो जाता है और बात की रोचकता बनी रहती है।

Page : 123 , Block Name : रचना और अभिव्यक्ति

Q10 काले माथे और सफ़ेद पंखों वाली चिड़िया आपकी दृष्टि में किस प्रकार के व्यक्तित्व का प्रतीक हो सकती है ?

Answer.काले माथे और सफ़ेद पंखों वाली चिड़िया यहाँ पर दोहरे व्यक्तित्व का प्रतीक हो सकती है। ऐसे लोग समाज के प्रति दोगुले होते हैं। वे एक तरफ तो दोस्ती का भाग दिखाते हैं और दूसरी तरफ आप के खिलाफ ही कार्य करते हैं।

Page : 123 , Block Name : रचना और अभिव्यक्ति

Q11 बीते के बराबर, ठिगना, मुरैठा आदि सामान्य बोलचाल के शब्द हैं, लेकिन कविता में इन्हीं से सौंदर्य उभरा है और कविता सहज बन पड़ी है। कविता में आए ऐसे ही अन्य शब्दों की सूची बनाइए।

Answer.फ़ाग, मेड़, पोखर, हठीली, सयानी, ब्याह, मंडप, फ़ाग, चकमकाता, खंभा, चटझपाटे, सुग्गा, जुगुल, जोड़ी, चुप्पे-चुप्पे आदि।

edugross.com

EDUGROSS
WISDOMISING KNOWLEDGE

Page : 123 , Block Name : भाषा अध्ययन

Q12 कविता को पढ़ते समय कुछ मुहावरे मानस-पटल पर उभर आते हैं, उन्हें लिखिए और अपने वाक्यों में प्रयुक्त कीजिए।

Answer.

1 सिर पर चढ़ाना - अधिक लाड़-प्यार करना - भूषण के माता - पिता ने उसे अपने सर पर चढ़ा रखा है।

2 हृदय का दान - अधिक मूल्यवान वस्तु किसी को दे देना - बेटी को विदाई के समय उसे ऐसा लग रहा था मानो उसने अपने हृदय का दान कर दिया हो।

3 हाथ पीले करना - शादी करना – आज देव के हाथ पीले हो गये।

4 पैरों के तले - छोटी वस्तु - अमीर वर्ग समाज के लोगों को अपने पैरों के तले रखना चाहते हैं।

5 प्यास न बुझना - संतुष्ट न होना - इतना धन होने के बाद भी चेतन की धन की प्यास नहीं बुझी।

6 टूट पड़ना - हमला करना - दुश्मन के सैनिक को आते देख सैनिक उन पर टूट पड़े।

Page : 123 , Block Name : भाषा अध्ययन

edugross.com